CLASS : 10th (Secondary) **3558/3508**

Series : Sec. M/2018

Total No. of Printed Pages : **24**

SET : A, B, C & D

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

SANSKRIT

(Academic/Open)

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर. पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

(v) Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%, on both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) *अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

(ii) *शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

(iii) *परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

(iv) *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

(v) *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

(vi) *मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/Guidelines दी जा रही हैं, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

आवश्यक निर्देश :

(i) यदि किसी परीक्षार्थी ने प्रश्न का उत्तर पूर्ण एवं शुद्ध लिखा है, तो उसे पूर्ण अंक दीजिए।

(ii) मूल्यांकन करते समय समान स्तर बनाए रखें।

(iii) अशुद्धियों की स्थिति में उचित अनुपात से अंक प्रदान करें।

(iv) मूल्यांकन करने से पूर्व शेमुषी (द्वितीय भाग) का अच्छी प्रकार से पाठन कीजिए।

(v) उत्तर-पत्र में दिए गए सम्भावित उत्तरों के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तक के अनुसार एवं व्याकरण सम्मत अन्य उत्तरों को भी उचित अधिमान दीजिए।

SET – A

खण्डः 'क'

(अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) प्रकृत्याः शाश्वतः सम्बन्धः मनुष्यैः सह अस्ति। $4 \times 2 = 8$

(ख) प्रकृतिः विविध रूपेषु आत्मानं अस्मिन् जगति प्रकटयति।

(ग) प्रकृतिः मनुष्यस्य उपकारिणी अस्ति।

(घ) अधन्यः जनः कृतज्ञतां विहाय असाधुसेवितं पथं गच्छति।

खण्डः 'ख'

(रचनात्मकं-कार्यम्)

2. (क) (i) नमो नमः

(ii) अमृतसरनगरे

(iii) प्रकाशस्य

(iv) सुप्रबन्धः $4 \times 1 = 4$

(ख) (i) चित्रम्

(ii) मित्रैः

(iii) स्तः

(iv) क्रीडति $4 \times 1 = 4$

खण्डः 'ग'
(पठित-अवबोधनम्)

3. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक के पंचम पाठ 'बुद्धि-बलवती सदा' के पृष्ठ संख्या 49 पर अंकित अंश है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक की पृष्ठ संख्या 64 से यह अंश उद्घृत है। यह अंश 'प्रश्न-त्रयम्' नामक अष्टम पाठ का है।

4. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के चतुर्थ पाठ की पृष्ठ संख्या 31 पर व्यायामः सर्वदा पथ्यः नामक पाठ से यह अंश उद्घृत है।

$1 \times 4 = 4$

अथवा

पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के सुभाषितानि नामक षष्ठम् पाठ की पृष्ठ संख्या 49 से यह अंश उद्घृत है।

5. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के निम्न पाठों से ***दो*** सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में लिखना है : $2 \times 2 = 4$

(क) ''व्यायामः सर्वदा पथ्यः'' चतुर्थः पाठः।

(ख) ''सुभाषितानि'' षष्ठः पाठः।

(ग) ''भूकम्प विभिषिका' सप्तमः पाठः।

(घ) ''प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृद'' नवमः पाठः।

6. ''विचित्रः साक्षी'' एकादशः पाठः। $3 \times 1 = 3$

(क) गृहाभ्यन्तरे चौरः प्रविष्टः।

(ख) अतिथिः चौरस्य पादध्वनिना प्रबुद्धः।

(ग) ''चौरोऽयं चौरोऽयं'' चौरः एव इति क्रोशितुं आारमत।

7. ''अन्योक्तयः'' दशमः पाठः। $2 \times 1 = 2$

(क) सरः एकेन राजहंसेन शोभते।

(ख) परितः तीरवासिना बकसहस्त्रेण सरः न शोभते।

8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्ननिर्माण — $3 \times 1 = 3$

(क) केषाम्

(ख) कस्य

(ग) केन

9. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक से कोई ***एक*** श्लोक संस्कृत भाषा में लिखना है जो इस प्रश्नपत्र में न हो। $1 \times 4 = 4$

खण्डः 'घ'

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

10. (क) सन्धि (प्रदत्त) की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

(ख) प्रदत्त समास की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में देनी है। $1 \times 2 = 2$

(ग) दिए गए कारकों की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में देनी है। $1 \times 2 = 2$

11. अव्ययपदों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति : $3 \times 1 = 3$

(क) मा

(ख) चिरं

(ग) बहिः

12. उचित विभक्ति रूपों का वाक्यों में प्रयोग : $4 \times 1 = 4$

(क) नगरम्

(ख) स्वभावेन

(ग) नृपाय

(घ) रामात्

13. यथा निर्दिष्ट शब्द-रूप : $4 \times 1 = 4$

(क) रामेण

(ख) लतायाः

(ग) नद्याः

(घ) मम

14. यथा निर्दिष्ट धातु-रूपः $4 \times 1 = 4$

(क) पठासि

(ख) गमिष्यति

(ग) अभवाम

(घ) आस्ताम्।

15. निर्दिष्ट उपसर्ग : $3 \times 1 = 3$

(क) सु

(ख) अधि

(ग) प्रति

खण्डः 'ङ'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (i) गावश्च $16 \times 1 = 16$

(ख) (iii) सु + आगतम्

(ग) (ii) राज्ञः पुरुषः

(घ) (iv) अव्ययीभाव

(ङ) (i) सुलभः

(च) (ii) गुणः

(छ) (iii) जलम्

(ज) (iv) पत्तनम्

(झ) (iv) सामाजिकः

(ञ) (i) तव्यत्

(ट) (ii) 25

(ठ) (ii) त्रिंशत्

(ड) (ii) प्रवासः

(ढ) (i) उदात्तरम्यः

(ण) (i) पंच

(ii) षड्

SET – B

खण्डः 'क'

(अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) हरियाणा-राज्यं अति लघुराज्यं वर्तते।

(ख) हरियाणा वीराणां भूमिः कथ्यते।

(ग) अस्य कुरूक्षेत्र नगरे महाभारतस्य युद्धम् अभवत्।

(घ) हरियाणा राज्यं कृषिप्रधानं वर्तते। $4 \times 2 = 8$

खण्डः 'ख'

(रचनात्मकं-कार्यम्)

2. (क) (i) क्रीडादिवसः

(ii) उत्साहेन

(iii) अतिमोदमानाः

(iv) समारोहः $4 \times 1 = 4$

(ख) (i) मात्रा

(ii) अस्मिन्

(iii) धूम्रं

(iv) अवशिष्टः $4 \times 1 = 4$

खण्डः 'ग'

(पठित-अवबोधनम्)

3. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के पृष्ठ संख्या 23 पर स्थित तृतीय पाठ - 'शिशुलालनम्' से उद्घृत इस गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक के पाठ नवम् के पृष्ठ संख्या 74 पर 'प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृद्' नामक पाठ से उद्घृत इस गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

4. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के चतुर्थ पाठ 'व्यायामः सर्वदा पथ्यः' के पृष्ठ संख्या 31 से उद्घृत इस श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के षष्ठ पाठ ''सुभाषितानि'' के पृष्ठ संख्या 49 से उद्घृत इस श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। 4

5. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक के निम्न पाठों से ***दो*** सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है : $2 \times 2 = 4$

(क) 'शुचिपर्यावरणम्' प्रथम पाठ।

(ख) 'व्यायामः सर्वदा पथ्यः' चतुर्थ पाठ।

(ग) 'अन्योक्तयः' दशम पाठ।

(घ) 'जीवनं विभवं विना' द्वादश पाठ।

6. अष्टम पाठ ''प्रश्न त्रयम्''। $3 \times 1 = 3$

(क) राज्ञः पुरतः शस्त्राहतः श्रमक्लान्तः कश्चित् पुरुषः आश्रमम् आगतः।

(ख) आगन्तुकस्य कष्टं विलोक्य मुनिः यथा साध्यं तस्योपचारे प्रवृत्तः अभवत्।

(ग) राजा आतुरस्य दशया विकलः भूत्वा उपचारकार्ये सहायतां अकरोत्।

7. दशम-पाठ ''अन्योक्तयः''। $2 \times 1 = 2$

(क) चातकः वने वसति।

(ख) पिपासितः चातकः म्रियते का पुरन्दरम् याचते वा।

8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण — $3 \times 1 = 3$

(क) केभ्यः

(ख) के

(ग) काम्

9. 'शेमुषी-भाग-2' पाठ्य-पुस्तक से कोई ***एक*** श्लोक संस्कृत भाषा में लिखना है जो इस प्रश्नपत्र में न हो। $1 \times 4 = 4$

खण्डः 'घ'

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

10. (क) गुण सन्धि ***अथवा*** व्यंजन सन्धि की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखना है। $1 \times 2 = 2$

(ख) बहुब्रीहि समास ***अथवा*** द्वन्द्वसमास की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

(ग) कर्म कारक ***अथवा*** सम्प्रदान कारक की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

11. अव्यव पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति : $3 \times 1 = 3$

(क) अपि

(ख) मा

(ग) च

12. उचित विभक्ति का वाक्य में प्रयोग : $4 \times 1 = 4$

(क) ग्रामं

(ख) धनेन

(ग) ज्ञानात्

(घ) मातरि

13. निर्दिष्ट शब्दों के रूप : $4 \times 1 = 4$

(क) बालकयोः

(ख) मुनिम्यः

(ग) नद्या

(घ) माम्।

14. निर्दिष्ट धातुरूप : $4 \times 1 = 4$

(क) भवेतम्

(ख) पठामि

(ग) गमिष्यन्ति

(घ) अकुरुत

15. निर्दिष्ट उपसर्ग : $3 \times 1 = 3$

(क) वि

(ख) अप

(ग) अभि।

खण्डः 'ङ'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (iii) रत्नाकरः $16 \times 1 = 16$

(ख) (i) नमः + ते

(ग) (ii) उक्तम् अनतिक्रम्य

(घ) (iv) तत्पुरुषः

(ङ) (iv) रुदन्

(च) (i) आदाय

(छ) (iii) भार्या

(ज) (ii) पतिः

(झ) (i) गुणवान्

(ञ) (ii) त्व

(ट) (ii) 13

(ठ) (iii) विंशतिः

(ड) (iv) हृदयग्राही

(ढ) (iii) कुशलवयोः

(ण) (i) सप्तवादने

(ii) दशवादने

SET – C

खण्डः 'क'

(अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) जीवने धनस्य अत्यधिकं महत्त्वम् वर्तते।

(ख) धनेन जीवननिर्वाहः सुखेन भवति।

(ग) धनं विना वयं भोजनं अपि प्राप्तुम् न शक्नुमः।

(घ) अनुचितसाधनानां प्रयोगेन प्राप्तेन धनेन केवलं दुःखमेव भवित। $4 \times 2 = 8$

खण्डः 'ख'

(रचनात्मकं-कार्यम्)

2. (क) (i) पर्यावरण विषये

(ii) महानगरेषु

(iii) रक्षणाय

(iv) गृहात् $4 \times 1 = 4$

(ख) (i) विशालः

(ii) उपविष्टाः

(iii) अस्ति

(iv) एकः $4 \times 1 = 4$

खण्डः 'ग'

(पठित-अवबोधनम्)

3. पाठ्य-पुस्तक नामक 'शेमुषी-भाग-2' के द्वितीय पाठ 'गुणवती-कन्या' के 13वें पृष्ठ से उद्घत गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक के आठवें पाठ ''प्रश्न-त्रयम्'' के 65वें पृष्ठ से उद्घत इस गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

4. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के पृष्ठ संख्या 32 से यह श्लोक उद्घृत है जो पुस्तक का चतुर्थ पाठ है। इसका सरलार्थ हिन्दी भाषा में करना है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के 49वें पृष्ठ से यह श्लोक उद्घृत है जो षष्ठ पाठ ''सुभाषितानि'' में है। इस श्लोक का हिन्दी भाषा में सरलार्थ करना है।

5. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक के निम्न पाठों से दो सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है : $2 \times 2 = 4$

(क) ''शुचिपर्यावरणम्'' प्रथम पाठ।

(ख) ''शिशुलालनम्'' तृतीय पाठ।

(ग) ''प्राणेभ्योऽपि प्रियः सुहृत' नवम पाठ।

(घ) 'अन्योक्तयः' दशम पाठ।

6. एकादश पाठ ''विचित्रः साक्षी''। $3 \times 1 = 3$

(क) निर्धनः जनः भूरि परिश्रम्य वित्तम् उपार्जितवान्।

(ख) निर्धनस्य पुत्रः छात्रावासे निवसन् अध्ययने संलग्नः अभूत्।

(ग) निर्धनः स्वपुत्रं द्रष्टुम् बसयानं विहाय पदातिः एव प्राचलत्।

7. ''जीवनं विभवं विना'' द्वादश पाठ। $2 \times 1 = 2$

(क) दरिद्रशिशवः प्रायः परमन्दिराणां द्वारेषु दृश्यन्ते।

(ख) दरिद्रशिशवः भोक्तारं भोक्तुकामा अर्धनयनेन विलोकयन्ति।

8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण — $3 \times 1 = 3$

(क) कीदृशी

(ख) कं

(ग) कस्य

9. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक से कोई ***एक*** श्लोक संस्कृत भाषा में लिखना है जो इस प्रश्नपत्र में न हो। 4

खण्डः 'घ'

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

10. (क) अयादि सन्धि ***अथवा*** व्यञ्जन सन्धि की उदाहरण सहित परिभाषा हिन्दी में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

(ख) द्वन्द्व समास ***अथवा*** द्विगु समास की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

(ग) सम्प्रदान कारक ***अथवा*** अपादान कारक की उदाहरण सहित परिभाषा हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

11. अव्यव पदों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति : $3 \times 1 = 3$

(क) यत्र

(ख) सदा

(ग) बहिः

12. उचित-विभक्ति लगाकर वाक्यों में प्रयोग : $4 \times 1 = 4$

(क) वृक्षात्

(ख) मार्गम्

(ग) धनाय

(घ) पुत्रे

13. निर्दिष्ट शब्द रूप : $4 \times 1 = 4$

(क) बालकस्य

(ख) साधुभिः

(ग) पित्रोः

(घ) युष्मम्यम्

14. यथानिर्दिष्ट धातु रूप : $4 \times 1 = 4$

(क) लभते

(ख) चोरयाम

(ग) कथयिष्यसि

(घ) आसन्

15. उपसर्ग पृथक् करके लिखना : $3 \times 1 = 3$

(क) वि

(ख) परि

(ग) अव

खण्डः 'ङ'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (iii) भवनम् $16 \times 1 = 16$

(ख) (i) ने + अनम्

(ग) (i) तत्पुरुषः

(घ) (iii) अहः च निशा च

(ङ) (ii) आदरः

(च) (ii) विपत्तौ

(छ) (iv) राजा

(ज) (iv) बालः

(झ) (i) तव्यत्

(ञ) (ii) ठक्

(ट) (iii) 33

(ठ) (ii) विशंतिः

(ड) (iii) उदात्तरम्यः

(ढ) (iv) कुशलवयोः

(ण) (i) पंच

(ii) सप्त

SET – D

खण्डः 'क'

(अपठित-अवबोधनम्)

1. (क) संसारे कुटिलाः सरलाः च जनाः सन्ति।

(ख) सरलाः जनाः परेषां हितचिकीर्षवः भवन्ति।

(ग) कुटिलाः जनाः परेंषा अहितमिच्छन्ति।

(घ) कुटिलजनानां गतिः विचित्रा भवति। $4 \times 2 = 8$

खण्डः 'ख'

(रचनात्मकं-कार्यम्)

2. (क) (i) आवयोः

(ii) हिमपातः

(iii) यात्रिणाम्

(iv) आवासः $4 \times 1 = 4$

(ख) (i) आतपत्रं

(ii) वर्षाऋतोः

(iii) मेघाच्छन्नम्

(iv) कर्गदनौकाः $4 \times 1 = 4$

खण्डः 'ग'

(पठित-अवबोधनम्)

3. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के 'शिशुलालनम्' नामक तृतीय पाठ में पृष्ठ संख्या 22 पर विद्यमान गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के एकादश पाठ 'विचित्रः साक्षी' के पृष्ठ संख्या 90 से उद्धृत इस गद्यांश का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

4. पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के प्रथम पाठ 'शुचिपर्यावरणम्' नामक पाठ के पृष्ठ संख्या 3 से उद्घृत इस श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है। $1 \times 4 = 4$

अथवा

पाठ्य-पुस्तक 'शेमुषी-भाग-2' के 'अन्योक्तयः' नामक दशम पाठ के पृष्ठ संख्या 83 से उद्घृत इस श्लोक का हिन्दी में सरलार्थ करना है।

5. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक के निम्न पाठों से ***दो*** सूक्तियों का भावार्थ हिन्दी भाषा में स्पष्ट करना है : $2 \times 2 = 4$

(क) 'शुचिपर्यावरणम्' प्रथम पाठ।

(ख) 'शिशुलालनम्' तृतीय पाठ।

(ग) 'सुभाषितानि' षष्ठ पाठ।

(घ) 'अन्योक्तयः' दशम पाठ।

6. एकादश पाठ ''विचित्रः साक्षी''। $3 \times 1 = 3$

(क) गृहाम्यन्तरं चौरः प्रविष्टः।

(ख) चौरस्य पादध्वनिना प्रबुद्धः अतिथिः चौरशंकया तमन्वधावत अग्रहणाच्च।

(ग) चौरः एवं उच्चैः क्रोशितुम् आरभत ''चौरोऽयं चौरोऽयं'' इति विचित्रम् अघटत।

7. द्वादश पाट ''जीवनं विभवं विना''। $2 \times 1 = 2$

(क) रात्रौ जानुः शीतम् अपनेतुं साधनम्।

(ख) कृशानुः द्वयोः सन्धययोः शीतापनयने सहायकः भवति।

8. रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न-निर्माण — $3 \times 1 = 3$

(क) कस्य

(ख) व्यायामात्

(ग) कं

9. 'शेमुषी-भाग-2' नामक पाठ्य-पुस्तक से कोई ***एक*** श्लोक संस्कृत भाषा में लिखना है जो प्रश्नपत्र में न हो। $1 \times 4 = 4$

खण्डः 'घ'

(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)

10. (क) अयादि सन्धि ***अथवा*** व्यंजन सन्धि की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

(ख) तत्पुरुष समास ***अथवा*** द्विगु समास की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

(ग) करण कारक ***अथवा*** अपादान कारक की परिभाषा उदाहरण सहित हिन्दी भाषा में लिखनी है। $1 \times 2 = 2$

11. अव्ययों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति : $3 \times 1 = 3$

(क) यत्र

(ख) सदा

(ग) कुत्र

12. प्रदत्त उपपदों का उचित विभक्ति लगाकर वाक्यों में प्रयोग। $4 \times 1 = 4$

(क) पुत्राय

(ख) मात्रा

(ग) नगरात्

(घ) जटाभिः

13. निर्दिष्ट शब्द रूप : $4 \times 1 = 4$

(क) बालकात्

(ख) पितृषु

(ग) लते

(घ) त्वया

14. निर्दिष्ट धातु रूप : $4 \times 1 = 4$

(क) भवतः

(ख) पठिष्यथ

(ग) अगच्छत्

(घ) करवाणि

15. क्रिया पदों से उपसर्ग पृथक करना : $3 \times 1 = 3$

(क) सु

(ख) प्रति

(ग) अनु

खण्डः 'ङ'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

16. (क) (ii) स्वागतम् $16 \times 1 = 16$

(ख) (i) एक + एकः

(ग) (iii) नाद्यः समीपम्

(घ) (iv) अव्ययीभावः

(ङ) (iii) आदरः

(च) (i) दुर्लभः

(छ) (ii) सत्वरम्

(ज) (iv) बालिका

(झ) (ii) मृतः

(ञ) (i) त्व

(ट) (iii) 25

(ठ) (iv) 99

(ड) (ii) प्रवासः

(ढ) (iii) उदात्तरम्यः

(ण) (i) पञ्च

(ii) दश